हमारा मन राधा ले गई रे - नया भजन

हमारा मन राधा ले गई रे

धुन- कन्हैया ले चल परली पार
हमारा मन, राधा, ले गई रे ॥
राधा, ले गई, राधा ले गई ॥
राधा, ले गई रे,
हमारा मन... जय हो ॥।राधा...

गहरी, गहरी, वन की छईयाँ ।
वहाँ पर, चर रही, मेरी गईयाँ ॥
नैनन, के वोह, तीर चला के ॥
घायल, कर गई रे,
हमारा मन... जय हो ॥।राधा...

मधुवन, में मैं, गईयाँ चराऊँ ।
मीठी, मीठी, बँसी बजाऊँ ॥
बर,साने की, चतुर गुज़रिया ॥
दिल में, उत्तर गई रे,
हमारा मन... जय हो ॥।राधा...

मैं, भोला वोह, चतुर गुज़रिया ।
बृज़ में, ले गई, पकड़ उँगलिया ॥
बातों, ही, बातों में बंसी ॥
ले के, खिसक गई रे,
हमारा मन... जय हो ॥।राधा...

मईया, मैं, बरसाने जाऊँ ।
वहाँ, से अपनी, बँसी ले आऊँ ॥
बँसी, के बिन, गईयाँ मेरी ॥
यहाँ वहाँ, भागे रे,
हमारा मन... जय हो ॥।राधा...

बँसी, के बिन, चैन न पाऊँ ।
बँसी, में मैं, राधे राधे गाउँ ॥
बन, वारी कहे, हाथ जोड़ के ॥
हृदय, में वस गई रे,
हमारा मन... जय हो ॥।राधा...

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35966/title/humara-mann-radha-le-gayi-re---new-bhajan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |